



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

Rev 24/11/89

व. 270]

नई दिल्ली, वृहस्पतिवार, विसम्बर 15, 1988/अग्रहायण 24, 1910

No. 270] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 15, 1988/AGRAHAYANA 24, 1910

इस भाग में खिल पृष्ठ संख्या वी आती है जिससे इक पह अलग संख्यान के कथ में
एक जो सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

गवर्नर घायार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं. 83 भाईटी मी (पी.एन.)/88-91

नई दिल्ली, 15 विसम्बर, 1988

प्रधानमंत्री— भारतीय खाद्य नियम लि., के गोखलपुर उर्वरक संयंक के पुनः नियमणि/पुनर्वासि परियोजना के लिए 2.635 विलियन मेन के विदेशी भविष्यत सहयोग निवि छह सं. भाईटी, मी. 50 के अन्तर्गत उपस्कर और सेवाओं के प्राप्तान के लिए नाइट्रोजन गते।

फाइल सं. भाईटी सं/23(48)/88-91 :—भारतीय खाद्य नियम लि., के गोखलपुर उर्वरक संयंक के पुनः नियमणि/पुनर्वासि परियोजना के लिए 2.635 विलियन मेन के ओ.ई.सी.एक, छह सं. भाईटी.डी.एन.-30 के अन्तर्गत उपस्कर/सेवाओं को जारी करने वाली गते, जो इस सार्वजनिक सूचना के परिचालन में वी गई है, सूचना के लिए अविसूचित की जाती है।

के. वी. इस्मीराया
मूल्य नियंत्रक, प्रायात्-नियात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 88-प्राई.टी.

सी. (पी.एन.)/88-91, विसम्बर, 1988 का परिचालन

जापान की विदेशी प्राथिक सहयोग निवि (ओ.ई.सी.एक.) द्वारा भारतीय खाद्य नियम लि. (एफ.सी.भाईटी.) के गोखलपुर उर्वरक संयंक के पुनः नियमणि/पुनर्वासि परियोजना के कार्यान्वयन के लिए 2.635 विलियन मेन के अधीन उपस्कर और सेवाओं के आवाहन के संबंध में साइर्टीसंग शर्त है।

खण्ड-1 सामान्य शर्तें

(1) भारतीय खाद्य नियम लि., के गोखलपुर उर्वरक संयंक के पुनः नियमणि/पुनर्वासि परियोजना की आवाहन आवायकता के वित्तान के लिए जापान की विदेशी प्राथिक सहयोग निवि (ओ.ई.सी.एक.) द्वारा प्रदान किये गये 2.635 विलियन मेन का छह जापान और वित्तानीत देशों जिनमें भारत और (ओ.ई.सी.एक.) के सभी सदस्य देश शामिल हैं, के लिए बुझा है। तदनुसार, इस कैंटिट के अधीन अधिग्राहन जो जाने वाली बस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुवंश-1 की सूची में उच्च सभी देशों से जारी की जा सकती है। ये देश इस छह के अन्तर्गत पात्र कोताश देश होंगे।

(2) कैंटिट के अधीन के उच्ची मदों और उच्च मूल्य के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए मात्रानियोजन, तहती विकास/पूँजीगत माल समिति द्वारा विवेर कर दी गई है।

इस कोडिट के प्रत्येक जारी किए गए आयात लाइसेंस का मूल्य 2.80 विनियन येन (लागत) से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का रुपये में मूल्य रजस्ट्र विभाग (श्रीमाणुक) द्वारा अधिकृत किनियन दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रदत्तित दर और मूल्य नियन्त्रक, प्रायात-नियन्त्रण द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूची से 73-एक्ट टी. सं० (पो.ए.ट.)/74, वितानक 6 जून, 1974 के पैटा-२ के ५मुख्य आयात लाइसेंस में संकेतिक दर पर नियन्त्रित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख हो नहीं किया जाएगा कि सोमानुक प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (सं.) में विनियित मुद्रा विनियम वर पर मूल्य की लाइसेंस मूल्य के नामे डालेगा। लाइसेंस पर एक शर्विक "जापान: यैन अण सं. आई टी. पो-५० होगा"। प्रथम और द्वितीय प्रश्न के लिए लाइसेंस में "एल/जे सो" कोड होगा। यह कोड सार्वजनिक व्यापार को लाइसेंस भेजने तथा नुक्त विवरण, आयात-नियन्त्रण के पक्ष में भी दृश्यता जाएगा। विदेशी एक प्रति वित नियन्त्रण, सार्वजनिक कार्य विभाग (जापान अनुवाद) को पृष्ठांकित की जानी चाहिए।

1(3) भारतीय व्यापार विभाग के पक्ष में आयात लाइसेंस केवल सागत-वीमा-भाइ के अधार पर जारी किये जा सकते हैं।

1(4) आयात की सुविधा पर निर्भर करते हुए, जो से अधिक आयात लाइसेंस इस कोडिट के अन्वेषत जारी किए जा भक्ती है। लेकिन, मूल्य 2.80 विनियन (लागत-वीमा-भाइ) येन से अधिक नहीं होना चाहिए जैसा कि उपर प्रिया (३) में कहा गया है।

1(5) आयात लाइसेंस की वैधता में भारतीय व्यापार द्वारा अनुबंध करते पर 12 महीनों की और अग्रे की अनुक्रमी के लिए अनुबंध करते व्यापार लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आयात लाइसेंस जारी होने के लिए यदि कोई आयात लाइसेंस हो तो उसे अधिक कार्य विभाग (जापान अनुवाद) को भेजा जाना चाहिए।

1(6) कोडिट के अन्वेषत विभाग नियन्त्रण वाले वाले आयात/व्यापार लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत संभवित संचालन मात्र और सेवाओं का सूची तक प्रतिबंधित है।

1(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेंग की अनुगति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकारी के कमीशन के प्रति कोई जो मुख्यालय सार्वजनिक अधिकृतों को भारतीय व्यपार में किया जाता जाहिए लेकिन ऐसे मुख्यालय लाइसेंस मूल्य के द्वीपांत्र हो और लाइसेंस पर हो। व भारतित किए जाएंगे।

1(8) पक्षके अद्वेष्य अनुबंध-१ में उल्लिखित देशों में दिया विदेशी संघरणों को अहाज पर्याल नियुक्त लोगत-वीमा-भाइ/लागत और माड़ा मूल्य के अधार पर लिए जाने चाहिए और वे भायात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अनुक्रमी के अन्वेषत अधिकृत कार्य विभाग (जापान अनुवाद) को भेज दिए जाना चाहिए। योग्य प्रशार का मुख्यालय भारतीय व्यपार में देय होगा। "पक्षके अद्वेष्यों" का अर्थ भारतीय लाइसेंस द्वारा दिए गए उन कदम अद्वेष्यों से है जो विदेशी संघरण द्वारा विधिवत् इस्तीफित हों या भारतीय आयात की विदेशी संघरण द्वारा विधिवत् इस्तीफित अव संविधान हो। विदेशी संघरणों द्वारा भारतीय अनियन्त्रितों को दिए गए अद्वेष्य या ऐसे भारतीय अनियन्त्रितों द्वारा पुष्टिकरण आदेश संकेत नहीं हैं।

1(9) वार महीनों की अनुक्रमी के भीतर ठेंटों को इन शर्तें कि तब तक अनुप्राप्त किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेंटों के पूर्ण दस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से बार महीनों के भीतर वित संचालन, अधिकृत कार्य विभाग (जापान अनुवाद) को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा 1(3) में यथा उल्लिखित पक्षके अद्वेष्य व्यापर महीनों के भीतर वैध कारणों से नहीं दिए जा सकते हैं तो बार महीनों के भीतर अद्वेष्य क्षयों नहीं दिए जा सकते कारणों का उल्लेख करने

हुए लाइसेंसदारों की प्रायात लाइसेंस प्राधिकारी की प्रस्तुत कर देना चाहिए। यदें दो भी अवधि में बृद्धि के लिए ऐसे आवेदनों पर काइसेंस प्राधिकारीयों द्वारा प्रायात लाइसेंस प्राधिकारी के आयात पर विचार किया जाएगा। वे अधिकृत से अधिक वार महीनों को और अधिकृत के लिए बृद्धि इत्याइसेंस के जारी होने का तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए भागी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव वितवाद व्यप के लाइसेंस प्राधिकारीयों द्वारा वित संचालन, अधिकृत कार्य विभाग (जापान अनुवाद), नार्वे ड्वारा, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो ऐसी बृद्धि के लिए प्रत्येक व्यापकों की प्रायात पर विचार करेंगे और अवात निर्भूत लाइसेंस प्राधिकारीयों को भेजेंगे। जिसकी वे लाइसेंसधारों की प्रेषित करेंगे। लाइसेंसधारों द्वारा लाइसेंस प्राधिकारीयों से केवल ऐसी बृद्धि प्राप्त करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विमानाय पदविकारी आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संभवण वेदों को पूर्ण करने के व्यवस्था में साथ-दब स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र और तुल्य धारा जना करने अद्वितीय आदि की स्वीकृति अद्वितीय विभागों को अनुमति देने।

1(10) आयात लाइसेंस की सामाजिक सेवाएं के भीतर सभी भुगतान पूर्ण कर देने चाहिए। सात के दोतावान पर ग्राम-प्रधारन मुख्यालयों की अवध्या होनी चाहिए। ठेंटों में नवद अधार पर अधिकृत प्रधारन व्यवस्था से भुगतान करने पर भुगतान की अवध्या होनी चाहिए विदेशी संभरण से भारतीय आयात को किसी भी किस्म की अप्रूपित व्यवस्था उपलब्ध करने की प्रतुपत्ति नहीं दो जाएगा। मात्र के वितरण की अधिकृत के लिए ठेंटों में निम्नलिखित आदान होंगी चाहिए।

"साथ-नव की प्राप्ति के ह.द....., महीने परस्तु अधिक से अधिक....., के भाग तक पूर्ण किया जाया है।

प्रतिलिपान के लिए आविष्टी प्रिय नियन्त्रित करने में हस्त आयात रखना चाहिए कि यह ।तयि 31-12-1992 के आद की न हो।

ष्ठ-2 संभरण ठेंटों का समझौता करते समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष वार्ताएं।

2(1) ठेंटों का अहाज पर्याल सापात दीमा भाजा मूल्य येन में (येन को फिल के बिना) अधिकृत होना चाहिए और इसमें भारतीय अधिकृतों का कमीशन, यदि कोई नहीं, तो वह यात्रिय नहीं होना चाहिए जो कि भारतीय व्यपये में बुकाता चाहिए।

संविधा का मूल्य येन में (या भारतीय संभरणों के मामले में भारतीय व्यपये में) अधिकृत होना चाहिए। क्य आदेश और संभरण द्वारा पुष्टिकरण आदेश केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

2(2) अज की रकम से वित प्राप्ति किए जाने वाले सभी भारत और तेवाओं की अधिकृति के अंतर्गत अधिकृति के लिए मार्ग दर्शन वितभूमों के अनुसार निम्नलिखित सम्पूरक शर्तों के साथ की जाएंगी:—

(क) कम से कम 500 मिलियन येन के अनुभावित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिकृति के सामग्रे में:—

(1) यदि पूर्वी ग्रहर्ता सहित औपचारिक जूनी अंतर्राष्ट्रीय नियाति के फिल अधिकृति कियाविधि भायातने का प्रस्ताव है तो अधिकृति की प्रदत्ति के अनुमोदन के लिए ओ. ई. सी. एक. को आयातन एक प्रस्तुत करके उससे पूर्ण अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(2) सफल बोलीकारीको निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र ओ. ई. सी. एक. को प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त भायातन के साथ व्याप्ति करने के साथ-दब स्थापित अद्वेष्य व्यपये की मूल्यांकन रिपोर्ट, बोलीकारी को लिए एक

बंड-५ विदेशी संभारको को भुगतान-साथ प्रद दिया गिए

5(1) वित्त मंत्रालय, भार्यक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का घोटांश, और ठेके के बस्ताविज प्राप्त होने पर सहायता सेवा तथा लेखा परीक्षा नियन्त्रक, वैक आँफ इडिया की टोकियो भास्का को संबोधित संलग्न अनुबध-3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पक्ष जारी करेगा जिसमें वैक आँफ इडिया की टोकियो बांच संबद्ध विवेशी संभारक के नाम में संलग्न अनुबध-4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबध-5 (संवादों के लिए) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय साझेपत्र लोलेगी। प्राधिकार पत्र की प्रतियोगी ही सी एक भारतीय बूतावास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक, भार्यक कार्य विभाग (जापान अनुबध) वित्त मंत्रालय को पृष्ठाकित की जाएगी।

५ (२) प्राधिकार पद मिलने पर, भारतीय बैंक, सेक्वियो अनुबंध-४ (आस्ताविक आपातों के लिए लागू होता है) या अनुबंध-५ (सेक्वाइरों के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विवेशी मंभरकों के नाम में अपरिवर्तन य साथेपत्र की स्थापना करणा और उसकी एक प्रति विवेशी प्रार्थिक सहयोग निधि (ओई सी एफ), भारतीय बूतावास, टोकियो, भारत में आपातक के दैनंदिन और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी.ए.ए. एंड ए से प्राधिकार पत्र के आधार पर सांख्यक जोनों के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि संविदा संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक सभमते जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/सांख्यकों के संशोधन पर स्वतः सामूहिकी।

5(3) माल का पोतलदान करने के बाद विद्युती संभरक अपने बैंकरों के माध्यम से साथपत्र में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिए बैंक बैंक इडिया टोकियो को प्रस्तुत करेगा। बैंक बैंक इडिया, टोकियो बस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विवेची संभरक को उसके बैंकरों के माध्यम से रिहा करेगा और उसके बाबा आयातों की लागत की धनराशि की प्रतिपूर्ति विवेची आधिक सहयोग लिखि से प्राप्त करेगा।

5(4) साखपद खोलने, उसके अधीन लेन-देन करने और विवेसी संभरक के बैंकर के प्रभार, यदि कोई हों, तो वे आयातक विवेशी संभरक द्वारा बहन किए जाएंगे। शो.ई.सी.एफ. टेक के मूल्य के $1/10$ प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) मूल्य के भराबर धनराशि प्राप्त करने पर बचनबद्धता पन्न जारी करेगा। यह धनराशि शो.ई.सी.एफ. द्वारा स्वयं छूट/मिथियों से से घटाकर जाएगी।

श्रो.ई.सी.एफ. या साहायता लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर, आयातक को मध्यनवदाता पद के द्वारा के तृष्ण धनराशि सरकारी लेखे में जमा करनी होती। श्रो.ई.सी.एफ. को भुगतान की तिथि से रुपया जमा छुरने की तिथि तक (दोनों तिथियाँ जामिल करके) व्याज भी प्रबंधित दर पर आयातक द्वारा चाकाया आएगा।

आयातक हारा प्रतिपूर्ति अधिकारियों के तहत 0.1 प्रतिशत का इसी प्रकार का संचार चुकाया जाता है। आयातकों द्वारा आयातों के सागत के सुगतान की तिथि से मो.ई.सी.एफ. द्वारा विवेशी समरक को अदायगी की तिथि तक की धरणि के लिए गणना करके बैंक भौति इडिया, टोकियो को ऐय व्यापक प्रभार का भारत सरकार के लेखे को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के साथम से भारत में संबंध आयातकों के बैंक हारा बैंक भौति इडिया, टोकियो को घन परेषण करके सुगतान किया जाएगा।

5 (5) प्रतिपूर्ति क्षमाविधि

भारतीय संभवकों से माल और सेवाओं की जरीब के लिए झूण की रक्खी की प्रतिपूर्ति के लिए अियाविष्ट झूण समझाते से संबद्ध प्रतिरूपिक्याविष्टि के प्रमाणात होती।

खंड-६ इप्या निःशेष करने के लिए उत्तरवाचिक्य

8(1) वैकं श्रौं हिंद्या, टीकियों संगत प्राधिकार पत्र के परिणाम
के साकेतिक ग्रन्तुसार भागातक के प्राधिदृष्ट मैकर थो पराक्रम्य पोल परि-
वहन दस्तावेज रिलीज होने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक, नई चिल्ली भा-
भरतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी, चिल्ली में रूपया निश्चेप कर दिया गया है।
विदेशी संभरक को किए गए ये भूगताम के समतुल्य रूपये पर आम प्रभार
को समय-समय पर प्रबंधित दर, जो वर्तमान समय में प्रथम 30 दिन के
लिए 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष है और आमिक प्रवधि के लिए 19 प्रतिशत
प्रतिवर्ष है, पर विदेशी संभरक को वैकं श्रौं हिंद्या, टीकियों द्वारा भूगताम
की तिथि से वास्तविक रूप से जमा करने की तिथि तक का हिसाब लगाकर
व्याज सर्वजनिक सूचना 31-मार्च ई सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-1983
के ग्रन्तुसार मूल भूगताम के साथ-साथ व्याज प्रभार भी सरकारी देखे भैं जमा
कराना है। यह भी नोट किया जाना चाहिए कि व्याज दोमां दिनों के लिए
अर्थात्, जिस दिन विदेशी संभरक को भूगताम दिया जाता है और जिस
दिन सरकारी देखे भैं रूपया जमा किया जाता है, देय है। देखिए सार्व-
जनिक सूचना सं. 103-मार्च ई सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76
और सार्वजनिक सूचना सं. 31-मार्च ई सी (पी एन)/83, दिनांक
10-8-1983 द्वारा संशोधित रार्बेंजनिक सूचना सं. 74-मार्च ई सी (पी
एन)/74, दिनांक 31-5-74।

संभरक को किए जाने वाले भूगतानों की राशि और सारी अप्पा भूमिका करने के लिए आयातक को अलग से व्यवस्था करनी पाएँ। एक ब्रॉक हाईडिया, टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोस्टपरिवहन आदि दस्तावेजों की देरी भा विलंब से प्राप्ति को रखा जिक्रप पर मानने वाले ध्यान की प्राप्तिक या पूर्ण धनगति को समाप्त करने का करण नहीं माना जाएगा।

विदेशी संभरक को निए गए येत भुगतान के समतुल्य शपथ को गणना करने के लिए अपनायी जाते वाली विनिमय की दर भुगतान की तारीख को आगे विनिमय की वह मिश्रित वर होगी जो सार्वजनिक सूचना स. 109-आई टी री (पी एन)/74, विनाक 3-8-74 और संघा 3-आई टी सी(पी एन)/76, विनाक 17-1-76 में निर्वाचित तरीके के प्रनुसार निश्चित की गई हो प्रथमा जो मुख्य नियंत्रक, प्रायात्-नियाति की सार्व-जनिक सूचनाओं के भाष्यम से या भारतीय रिगर्ड बैंक के मुद्दा विनिमय नियंत्रण परिवर्त्ती के माध्यम से सरकार द्वारा समन्वय पर घोषित की गई हो।

इस संबंध में और व्याज की दर के संबंध में भी जब भी कोई परिवर्तन घटावशक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की जिम्मेदारी होती है कि देश धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज सौंपने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातकों को भी यह गुणित्व कर सेना वाहिए कि देश धनराशि आयात बैंकरों से दस्तावेज लेने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। देश धनराशि भरकारी खाते में ठीक प्रकार से सुरक्षा जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातकों की तब भी जिम्मेदारी होती जब वे विसेष परिस्थितियों वे भलतींत सीमाशुल्क प्राधिकारियों से माल की सुरक्षा प्राप्त करते हैं। यदि आयातक सरकार को देश धनराशि को माल की सुरक्षा लेने से पहले जमा नहीं कर पाता तो याते के लिए उसे प्राधिकार पक्ष देना बन्द कर दिया जाए और यामले की रिपोर्ट दृष्टि नियन्त्रक, आयात-नियंता को दी जाए ताकि ऐसे आयातकों को आगे और आयात लाइरेंस जारी न किए जाए। जिस लिए भी ये उपर्युक्त रूपया निष्पेष किया जाएगा अब “के डिपार्टमेंट एंड एडवासिङ-843-विविस डिपार्टमेंट-डिपार्टमेंट फ़ार परस्परिश एटसदा प्राइवेट परस्पर अंडर केटिट्स/लोन प्लॉनिंग्स”, जोन छोम विगवनीमेंट ऑफ आयात—2-635 विलिंगम येन लैटिट एस. आई औ पी-50 फ़ार वी गोरखपुर फ़ाटिलाइमर प्लॉट रिवेस्ट्स/रिट्रैटिंग्स प्रोजेक्ट भाइक एक सी. भाई. होना चाहिए।

6(2) भारत उचित धनराशि मा दो भारतीय रियर्ड वैक, तर्हि बिल्ली में या स्टेट बैंक प्रॉफ इमिट, तीस हजारी, बिल्ली में आलाम के पर शहिनी और कोपे में कोड स. 5130000009 का संकेत देसे तुए सरकार के ज्ञाते में सार्वजनिक सूचना सं. 184-“भाई दी सी (पी एन)/68 दिनांक 30-8-1968 सं. 233-भाई दी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-68, सं. 132-भाई दी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71, सं 74-भाई दी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं. 103-भाई दी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 में मध्य-गिर्वासित सरीके में जमा होता जाएगा।

(3) भारत सरकार, दिल मंत्रालय, आधिक वाये दिग्दन द्वारा ऐसी भाग किए जाने के बाद यात्रा दिनों फे भीतर भारत में आयातक पा सकद्वाये की अपर निर्धारित तरीके हे वह घटरिक्त उत्तराधि देवा द्वारों के निमित्त भेजेगा तो यित मंत्रालय (आधिक वाये विभाग) द्वारा मारी जाए। भालान के विशिष्ट कालमां को भरटे समय आयातको/उनके वैकरों पाँ इस बात का सुनिचित कर लेंगा आहिए कि सार्वजनिक सूचना नं. 132-भाई दी सो (पी एन)/71, दिनांक 5-10-71 के पैरा 2 मे निर्धारित मुन्हावावालान के कालम "धन पंतेण और ग्राहिकारी (यवि कोई हो) के पूर्ण थ्यौरे" मे निरपवाद रूप से निर्धारित किय गए हैं। याताना वालान में निम्नलिखित थ्यौरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने जाहिए—

(क) यित्स मन्त्रालय के प्राधिकार परम की संख्या और दिनांक।

(स) ये न मुद्रा की वह धनराशि जिरके संबंध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निरेक किए जाने हैं।

(म) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि।

उनके पश्चात् सी. ए.ए. एंड ए. हारा आरी किए गए प्रधिकार-पत्र का संवर्धन हुए और बोजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों को संवर्धन करते हुए ज्ञाना ज्ञानान शायद जमा करने का साध्य वें दृष्टि पंचीकृत शाक हारा सी.ए.ए.एंड ए. यो मेजा जाता आहिए।

टिप्पणी : भारत में आयातक के बैंक को मह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके कानूनिक भारतीय वक टोकियो से अदायगी की सूचना और परकार्या प्रोत्साहन दस्तावेज की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरपेक्ष रूप से किया गया है और मह कि उसके तत्काल आव सी.ए.एड ए., विस भंडालप (आर्थिक कार्य विभाग) नहि विस्तीर्ण को सत्य से सूचित कर दिया गया है।

6(4) भारत में संबंध भारतीय बैंक को साइरसस की मुद्रा विनियम
नियन्त्रण प्रति पर शपथा नियंत्रण की धनराशि का पृष्ठाकान करता चाहिए
गैर अपरिवृत्त "एस" प्रधन भारतीय दिवर्स बैंक वर्षभूद्धि को बेजाना चाहिए।

खण्ड-७ विविध व्यायस्थाएँ

७(१) आयात साइसेस के उपयोग करने की रिपोर्ट

आयातक को पोतलबाज और उसके आधीन भिए थे भूगतान द्वारा लेव बनायी के बारे में साक्ष पत्र खो सने के बाद एक भारिक रिपोर्ट सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा गिर्भवक, आर्थिक कार्य विधाग, वित्त मंडालय, यू. सी. ओ बैंक विलहम, संसद यार्ड, नई विल्सो को भेजनी चाहिए।

7(2) संभरकों को विसेष शर्तों के बारे में सूचित करना।

लाइसेंसधारी के प्रायात लाइसेंस में बिए नए जिसी उन विशेष उपकरणों से रेमरक को प्रबलगत करा देना चाहिए जो गाल के दागे में रेमरक पर प्रभाव डालते हैं।

7(3) विषय

यह समाज लेना चाहिए कि साक्षरतावारी और संभवकां के बीच परिवर्तन विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं देंगी। भारतीय बैंक, ट्रीवियो द्वारा किए गए अनुग्रहों को पूरे संभवक द्वारा पूरी तरह जाति वाली शर्ते अनुबंध-2 में “भूगतान की शर्तों” के अन्तर्गत मध्यस्थी तरह से स्पष्ट कर देनी चाहिए। संविधान की शर्तों में विवाद को निपटाने से संबंधित शर्तों का असिल होनी चाहिए।

७ (४) भविष्य अनुदेश

आयात लाइंसेंस का उसके संबंध में उठ खड़े होने वाले निसी भाष्य में या सभी भाषणों से संबंधित या आपानी प्राप्तिकालियों के साथ ये ने फ्रेडिट समझते (परियोजना सहायता) स. शार्ई और प०३० के बीच लार्ज आवारों को विदेशी आर्थिक सहयोग निधि, जापन (प्र०. हौसी-एफ.) के साथ पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा सभ्य-समय पर किए गए निवेदितों या आदिरों का साहर्वंश धारी को तुरन्त पालन कराया होगा।

७(५) अस्तिकाशण या उल्लंघन

उत्तराधिकार आडो में निर्वाचित की गई यात्री के नियन्त्रण या उत्तराधिकार के द्वारा पर शायास-नियंत्रण (नियन्त्रण) अधिकारियम के प्रधीन उचित कार्यकारी ही जाएगी।

7(6) यन्त्रप्रबोधी की सूची

- प्रमुखध-१ पात्र छोते देशों की सूची।
 - प्रमुखध-२ प्राधिकार पद जारी करने के लिए प्रस्तुति।
 - प्रमुखध-३ प्राधिकार पद का प्रपत्र।
 - प्रमुखध-४ साथपत्र का प्रपत्र (आवासों के लिए लातु)।
 - प्रमुखध-५ साथपत्र का प्रपत्र (देशों के लिए लातु)।

उपर्युक्त-

पात्र और देशों की सूची

क. विकासशील' देश समा उत्तरों को

(क-१) विदेश आर्थिक सहयोग से भिज्ञ दिकारात्मीय वेतन

1. अफीका, उत्तरी सहारा
सिश्र
मोरमको
तुम्हीयिया
 2. प्रफीका, दक्षिणी सहारा
अंगोला
बेनिन
बोत्सवाना
नल्लडी
केमरोन
गोप बर्डे हीप
मध्य अफ्रीया गणराज्य
चाड
कोमारो हीप
कांगो, काहोमे का गण
दक्षिणाफ्रीया गिनी (1)
इथोपिया
जान्मिया
घाना

गिनी
 प्राइवेट कोस्ट
 कॉन्फिडेंशियल
 लेसोंपो
 साइर्विसिंग
 माझामासी गणतंत्र
 मालारी
 मासी
 मारीजस, मार्टिनिया
 मुख्यालय
 नाईटर
 प्रूफगार्जी नुपाता
 रिवनियन
 रोडेशिया
 रथाम्हा
 सेट हेलिया और ईग (2)
 साथो टोमो और शिपिपम
 सेनेगल
 सीच्सीज
 सीयरे बिभोम
 सोमासिया
 खूबान
 स्विजरलैण्ड
 टेरो अक्सर और इसास
 टोनों
 यूगाल्डा
 घंजानिया गणतंत्रीय संघ
 भर बोटा
 जाइरे गणतंत्र
 जामिया

धमरीका, उत्तरी और केन्द्रीय
 बहुमास
 बरमूदा
 बारबोंस
 बेलीज
 कोस्टा रीका
 ब्यूटा
 बोमिनिकन गणतंत्र
 एम सेल्वाडोर
 गुडालोप
 म्पाटेमासा
 हेटी
 होम्प्रेस
 जर्मनी
 मार्टीगिको
 मेपिस्को
 नीचरसेण्ड एस्टोलीज
 निकाराग्वा
 पनामा
 सेट पियरी और बिकेलोन

ट्रिनियाड और टोबागो ।

- (1) पहले स्पेष्य गिनी का प्रवेश, फरमाओ पो ईप सहित ।
 (2) मिस्त्रिकृत हीरों सहित :— एकोनियन ट्रिटम्सी इन्
 एक्सेसिवल्स, शाइटेनेशन, गफ

- (3) मुझ ईप समूह, अस्या, बोमाइरे, क्यूएकाओ, साहा सेट
 3. अमेरिका उत्तरी और देशीय
 वेस्टइंडीज (शास्त्र) इन, शर्याति
 (क) साहस्रम्यन्ध राज्य (1)
 (ख) आधित (2)
4. दक्षिणी अमेरिका
 अजैन्टीना
 बोलिविया
 ब्राज़िल
 चिली
 कोलम्बिया
 फास्क र्स्ट ईप समूह
 कांस गिनी
 गुयाना
 परावे
 पीछ
 सूरिनाम
 वहवे
5. मध्य पूर्वी एशिया
 अहरीन
 इजराइल
 जोर्जिया
 मेजनान
 ओमान
 प्रिंसिपाई अरब गणतंत्र
 यूनाइटेड अरब अमिरात (3)
 यमन अरब गणतंत्र
 यमन जनवादी का थी. भार. (4)
6. दक्षिण एशिया
 अक्तानिस्लाम
 थांगसाइप
 खूबान
 बर्मा
 भारत
 गाल्ड्रीज
 नेपाल
 पाकिस्तान
 श्रीलंका
7. मुद्रुर पूर्वी एशिया
 अरनी
 हीग कांग
 अमेर गणतंत्र
 कोरिया गणतंत्र
 लाओस
 मंगोली
 मलेशिया
 फिलिपाइन
 सिंगापुर
 ताइवान
 थाइलैण्ड
 तिमोर
 वियतनाम गणतंत्र
 वियतनाम अनवादी दमतंत्र

8. ओरिनिया
कुक हीप समूह
फिरी
गिल्वर्ट और इसाशस हीप
कासिस पोलिनेशिया (5)

तार

चूंके सेस्टोनिया

चूंके हिंडिया (व. और फ.)

नियु

पैसोनिक हीप समूह (संयुक्त राज्य) (1)

पापुआ चूंके गिनी

सोलोमन हीप समूह (बा.)

टोगा

वानिस और कुतूना

परिवर्मी सापौंडा

द्वूप

साहास

बिक्रास्टर

द्रीस

मास्टा

स्पेन

सुर्फ़ी

यूजेस्टोनिया

(क-2) थो. बी. ई. सी. के संबंध या सहयोगी देख

इन्डोरिया

बोलिबिया

लीवियाई अरब गणतन्त्र

चेवोम

माइजोरिया

इक्स्ट्रोडोर

वैन्युअला

ईरान

ईराक

कुवैत

कतार

साल्वादोर अरब

पापु-इंडो

इमोनेशिया

व. ई. ई. सी. थो. देख

प्रास्ट्रॉलिया

बैन्डियम

कमाडा

ईन्यार्क

फिलिपीं

पर्बत

जमेन सब गणराज्य

द्रीस

प्राइसलैण्ड

प्रायरलैण्ड

इटली

जापान

लगजमहाँ भी मादर लण्ड

चूंकीलैण्ड

नर्थ

पुर्वाशा

स्पैन

स्वीडन

विट्टलर लैण्ड

टर्फी संयुक्त साम्राज्य

यूनाइटेड स्टेट्स.

- (1) मुख्य हीप एन्टिगुआ, डोमिनिका, ग्रेनेडा, सेस्ट किट्टन (सेंड क्रिस्टोफ़ो) बेनिस-एंगुला, सेट सुसिया और सेन्ट विंसेंट।
- (2) मेन प्राइसेण्ड, मोर्टीशर्ट, सेमान चुके और काइकोस और प्रिटिश बरिजन हीप समूह।
- (3) अजमन, दुर्बई, मुजीराह, रास अल-ज्वेमाह, मारजाह और अन्या अल ज्वेड्यन।
- (4) अबन और बिगिन समतनत और प्रभोरात सहित।
- (5) गोपाइटी प्राई लैंडस समूह (तालिली सहित) को जामिल करते हुए मास्टर हीप समूह, ट्रामोइ-ओमिक्युर 'पुप और मारकोस हीप समूह।
- (6) पैसिफिक हीप का ट्रस्ट प्रेसें, कारोलीन, हीप, मार्लेस हीप समूह और मिरिना हीप समूह (गाम को छोड़कर)।

चपावंश-2

प्राविकार पक्ष जारी करने के लिए प्रावेदन पक्ष

दिनांक

संघरा
सेवा में

सहायता सेखा तथा सेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त भवालाया, धार्यक कार्य विभाग,
यू. सी. थो. बैंक बिल्डिंग, प्रथम भंडिल,
पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई विल्सन-110001.

विषय: येत क्रेडिट सं. आई बी पी (1988 के सिए परियोजना संस्थान) के अंतर्गत

..... का प्रयात

सहीपय,

रत उत्तिवित येत क्रेडिट सं. आई. बी. (परियोजना संस्थान) के मालिन से
के प्राप्ति के संबंध में (बैंक का नाम) से

कि यही शोषणात्मिक है, जो भी के (इ) में संबद्ध विदेशी संभरक के भाष्य में साक्षरता खोलने के लिए रिकार्ड है के प्रता में प्राधिकार पक्ष यारी करने के लिए हम साथको सिनानिधित्व द्वारे प्रयुक्त करते हैं :—

- (अ) भारतीय आयातक का भाष्य और पता।
- (ब) आयात लाइसेंस की संज्ञा, दिनांक और मूला बीर वह तारीख जिस तक वैध है।
- (ग) प्रगतिशील के गरीबे—
इसके मानने में कोर्टों सहित यह निर्दिष्ट करना चाहिए, कि क्या संविदा का निर्णय उपयुक्त नहीं की प्रस्ताव के प्राधार पर किया गया है।
- (घ) गाल का संक्षिप्त विवरण।
- (झ) माल का उपलब्ध देश।
- (क) यदिकोई रो, तो पाय से दूत भोले से आगतिन संभरकों का प्रतिबान।
- (छ) संविदा का कुल जटाज पर्याप्त निःशुल्क/जागत और भाषा मूल्य (येन में)।
- (ज) यदि कोई हो, तो भारतीय एजेंट के कमीशन की घन्तासि (येन में)।
- (झ) विदेशी के संभरकों के भाष्य की गई संविदा की संज्ञा एवं निर्णय।
- (ट) विदेशी संभरक का नाम और पता।
- (ठ) वे भुगतान भर्ते और संबंधित विदेशी जिनको संविदा के अंतर्गत भुगतान देंगे भी।
- (इ) मुपुर्वी को पूर्ण करने की प्रत्येक विधि।
- (क) बैंक आय इंडिया, टोकियो को मुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज़ (प्रत्येक सेट की संज्ञा और उनका निपटान विचारे हुए)
- (ज) पोम दस्तावेज़ अनुदेश (वाहनीशरण/पार्ट-ग्रामेंट) की अनुसंधान वी पर्द है या नहीं, निर्दिष्ट भी नियम।
- (क) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।
- (क) यह उसी लाइसेंस के अंतर्गत संविदा (मनिचार्ड) कर दी गई है और आपनी प्राधिकारियों को प्रधिकृति कर दिया गया है, यदि हो तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संज्ञा, दिनांक और मूल्य और विस अंतालय का लह संबंधित विसके अंतर्गत ओ.ई.सी. एफ. को इसे प्रधियुक्ति किया गया है।
- (द) क्या साक्षात्कार के अंतालय और रक्ष-रक्षाव के लिए बैंक आय इंडिया, टोकियो को देंगे बैंक खर्चे आयातक द्वारा या संभरकों द्वारा उनके लिए होंगे।
- (क) आयातक द्वारा बचतबद्धता :—

“हम एक द्वारा राकार द्वारा निर्धारित सरीके से और दूसरे से विदेशी संभरक को किए गए भुगतान के समतुल्य रूपये को पूरा और गहरी तरीका करने का लक्ष्य बनाए है। प्रत्येक नियोग माल (जायजित सामग्री) की मुपुर्वी भेजे जैसे पूर्व तत्काल ही जमा करा दिया जाएगा। विदेशी संभरकों के संबंधित वीक्री हमारे द्वारा भनुमोक्ति दी जाए ही और उनको आयातीय करते ही विदेशी राष्ट्रीयता वालों की सेवाओं के लिए मुकाबले के दाक्षता में लिये जाएंगे। और संभरकों को भुगतान कर दिया जाएगा।

प्राप्तिवाक्य-2

नं. प्राधिकार पत्र का प्रपत्र
भारत सरकार
पिस मंत्रालय
आयिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, विजापुर

सेवा में

बैंक आय इंडिया,
टोकियो जापा,
टोकियो (जापान)।

विषय : येन श्रेडिट(परियोजना सम्बन्धित) आण करार सं. आई. डी. पी. ————— के अधीन आयात साक्षात्कार खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के नाम दिनांक 25-3-80 को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार प्राप्तको एकदारा यथा संस्कृत भोपरे के अनुसार संबंधी ————— के नाम में —————— येन घनराजि के लिए मार्तिवर्तीय साक्षात्कार खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साक्षात्कार की प्रति आयातक के बैंक, ओ.ई.सी.एफ., भारतीय दूतावास, टोकियो और हमें पूँछाकित की जाए।

3. साक्षात्कार की शर्तों के अनुसार प्राप्तम से संभरकों को भुगतान आयती निविद से किया जाएगा। आप ओ.ई.सी.एफ. को प्रावधानक दस्तावेज़ भेज कर, किए गए भुगतान की प्रतिपूति का दावा तरकार करें।

4. विदेशी संभरक को आयाती करते समय आपके द्वारा ————— (आयातक के बैंक के नाम अ पता) मूल पोतलवान दस्तावेज़ (विलिम्य) अतिरिक्त पूर्ण दस्तावेजों के सेट के साथ उसी संभरक की गई अवधारणी को जारी शालते की सूचना, तरकार अवधारणी, यदि कोई गई हो तो उसकी प्रति भेजें।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से जोई.सी.एफ. द्वारा आपको उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के सिए प्राप्तके चुकाए जाने वायर अवार भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव डाले जिन मामात्य ऐकिंग झोटों के माध्यम से भारत में संबंधित आयातक के बैंक के माल आपके द्वारा निर्णीत किए जाएंगे। बैंकों के अन्य खावें जिसमें सख्तपत्र खालांत, अवरकाव करने और साखपत्रों के संवालन करने और सीधा संबंधी वस्त्रावेज के संचालन से संबंधित और यदि कोई हो, तो विदेशी सख्तपत्रों के बैंकरों के बैंकरों भी विदेशी संवरक/आशा तक की ही देने पड़े और इनलिए उन्हें सीधे ही संभरक/आयातक से प्राप्त किया जाए। इस प्रकार के भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा जोई.सी.एफ. से नहीं किया जायगा।

6. जैसे ही प्राप्ते द्वारा कोई भुगतान किया जाए और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर री जाए तो उसकी सूचना निर्धारित पत्र में इस प्रकार को भेज दी जानी चाहिए।

7. यह प्राविकार पत्र विदेशी संभरकों के नाम में साखपत्र खोलने के लिए है। साखपत्र में बावर में किए जाने वाले संशोधन या प्राविकार पत्र के सदै प्रविष्ट में साखपत्र इस मन्त्रालय से विदेश प्राविकार प्राप्त किए जिन वेष्ट नहीं होंगे।

8. गहर प्राविकार पत्र -----तक वैष्ट रहेगा।

9. इफ्या द्वारा कराये से संबंधित सभी वस्त्राचार और भुगतान का छलसेव करने वाले सूचना पत्र में इस अनुदेश पत्र के शीर्ष पर की पहुँच संक्षा का उल्लेख करें।

सचिवीय,

(लेखा प्रधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को भेजित:—

1. आयातक को उसके पत्र सं-----दिनांक के संदर्भ में।

उन्हें अनुरोध है कि वे बैंकरों से विनियम दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और नरीके से अपने बैंकरों के भाष्यम से रूपया निषेप आदि जमा करने का प्रबंध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण मात्र की डिलीवरी भी ही सीमानुक और उतन प्राविकारियों से मूल पोतापदान दस्तावेज भेजे जिन ही प्राप्त कर री गई हो तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निषेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रीयों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के भास्त्र में जैसे ही संबंध वीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाए, निषेप कर दिए जाएं। निषेप जास्ती ही और छोट न करने पर लाइसेंस की जाती में वस्त्राचालिक आवश्यक कार्रवाई की जासकती है।

2(1) आयातक के बैंकर-----। यह आयात लाइसेंस सं-----दिनांक के संदर्भ में है। यह प्राविकार पत्र में ब्रेडिट के अंतर्गत आपतों को आसित करने वाली संबंधित लाइसेंस जाती के तहत जारी किया गया है। लाइसेंस जाती और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं/प्राप्तेषों को देखे और आयात/विदेशी भुगतान करने समय उकित कर्रवाई करें।

2(2) उनसे निषेद्ध किया जाता है कि बैंक आफ इंडिया, टोकियो बौच में दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बाबत रुपये जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई अनुरागि के बगादर रुपये की जमा सार्वजनिक सूचना सं. 8-प्राई टी सी (पी.एन.)/26, दिनांक 17-1-196 या प्रथम ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुमार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रवित् उरियर्हन की निर्धारित दर पर की जाएगी। प्रथम 30 दिनों के लिए 12 % वार्षिक दर से और इसमें प्रविक अवधि के लिए 18 प्रतिशत वार्षिक दर से व्याज जो कि संभरक को भुगतान की तारीख/वीक प्राप्त इंडिया की प्रतिपूर्ति की तारीख और यथा वारीख की समतुल्य रूपयों जारत सरकार के लेखे में जमा किया जाए उन वी प्रविधियों के बोच की अवधि के लिए संघणित करके उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-प्राईटीसी (पी.एन.)/83, दिनांक 10-8-1983 के अनुमार भारत सरकार के लेखे में जमा कराना है। व्याज दोनों दिनों के लिए है यह संघणित वह तारीख जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और वह भी तारीख जिसकी भारत गवर्नर के लेखे में रूपया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाए उसे सूचित कर दिया जाएगा)। यह सुनिर्धारित कर देना चाहिए कि आयातक को सीमानुक निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह बनाराशि जमा की जानी है।

वे अपनायिए आतों भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली वा भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में जालान के बाहिनी और कोड सं. 5130000009 दक्षिण द्वारा जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका व्यापार मार्वजनिक सूचना संख्या 184-प्राईटीसी (पी.एन.)/68, दिनांक 30-8-1988, 233/प्राई.टी.सी. (पी.एन.)/68, विनांक 24-10-1968, 132-प्राईटीसी (पी.एन.)/71, विनांक 5-10-1971 सं. 74 प्राई टी सी (पी.एन.)/74, दिनांक 31-5-1974, सं. 103/प्राईटीसी (पी.एन.)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों की ओर दिलाया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें यथा जमा कराना है। 'के दिवारिस एंड एड्वाइस 843 मिलिल डिप्लिट-डिप्लिट फार पर्वेजिज एंड सीट्र अवरोड अन्हार पर्वेज ड्रेडिट/लोन एंड मेंट' लोन क्राम व गवर्नरेट ऑफ आपत-----नियमित बैन ब्रेडिट (परियोजना भवान्यता) सं. प्राई ही पी फार 198-8 है।

जिन मामलों में तुल्य रूपया दिवर्व वीक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली वा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारी दिल्ली में सार्वजनिक सूचना सं. 132 प्राई.टी.सी. (पी.एन.)/71, विनांक 5-10-1971 के अनुमार नकद जमा किया जाए उन मामलों में जालान की मूल रूप में एक प्रतिशिपि उन के द्वारा निम्नलिखित पते पर रुपये जमा कराया जाएगा, जिस के साथ वीक ऑफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देते हुए एक प्रवेशण पत्र होना चाहिए।

सहायता लेखा नवा लेखा नरीका नियंत्रक,

वित्त मंत्रालय, (आर्थिक कार्ब विभाग),

प्राक्षी अंतिम, न. सी. ओ. बैंक वित्तिग,

संसद मार्ग, नई विनांक 110001.

जिन मामलों में तुल्य रूपया ऊरनीली नाईवेनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में प्रवा उडिनीली दरमें तुष्णी द्वारा भेजित करना है उसकी सूचनाएं अपर्युक्त पते पर जमी जानी चाहिए। सभी मामलों में, जमा फिर गए तुल्य रूपये का पूरा व्यूहा इस विभाग को भेजना चाहिए।

संभरक को भूमाल सरने की निधि और श्रीहस्तीकृष्ण द्वारा बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को उनकी प्रशायनी की निधि के बीच की मरणी के लिए और आक इंडिया, टोकियो को देय व्याज प्रभाव बैंक सूखों के साथम से भारत सरकार के नेत्रे पर प्रभाव डाल दिया गया था। आक इंडिया टोकियो के माय अप्प के द्वारा सीधे निर्णय दिए जाएंगे।

3. निवेदक, ऋण विभाग-2 निवेदी प्राचिक सहयोग निधि टाकेतारी गोदो लिंगग, 4-1 गोहटेमासी-1 कोमे, चियोडा, कू, टोकियो 100, जापान।
4. भारतीय दूतावास, टोकियो।
5. भवर सचिव, जापान अनुभाग, वित्त मंत्रालय, प्राचिक कार्य विभाग, नईदिल्ली।

(लेखा प्रतिकारी)

उपराज्य-4

प्रधान ओ.ई.सी.एफ.एल.सी-1
अपरिवर्तनीय साखपत्र
(माल के लिए लागू)

रिमार्क

सेवा में

यह साखपत्र (जहानी) और विशेषी घारिक सहयोग निधि के बीच द्वारा ऋण करार संबंधी
दिनांक के अनुसरण में जारी किया गया है।

महोदय,

इस आपको धूमित करते हैं कि हमारे नाम में भेजे गए आप के पुरे बोजक भूम्य के लिए आप के सारां ब्राप्टी द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए हमने आपके पक्ष में अपरिवर्तनीय साखपत्र सं..... खोल दिया है जो (मर्मात् येन) की तुल घनराशि है अधिक नहीं जिसके साथ निम्नलिखित दस्तावेज़ हीने आहिएः—

हल्लाक्षरित पूर्ण वाणिजिक बौजान, पोस परिवहन निवाय लकान दिया जिसमें दिए गए आदेशों का पूरा रैक हो, और पृष्ठांकित एवं विविहृत “फ्रैट एवं नोटिफिकेशन” अंकित दिए हुए घन्य दस्तावेज़।

जिन में लोकलदान (माल के लकान का संक्षिप्त) को भनायित करते हुए संविधा सं..... (यदि कोई नहीं) के मंदसै में सं..... तक आधिक पोसनवान स्वीकृत है। बाहरांपुरा स्वीकृत है। लकान विल..... के बाव को तिथि का नहीं होना आहिए। ब्राप्ट तक जेन-डेन के लिए अवश्य प्रस्तुत दिए जाने चाहिए। इस ऋण के अस्तांत सभी ब्राप्ट तथा दस्तावेजों पर “अपरिवर्तनीय साखपत्र सं..... दिनांक के अस्तांत आहरण किया गया और आयान संवर्त सं..... (संस्थाएँ) यदि कोई हो) अंकित होना आहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

सम एकद्वारा बदल देते हैं कि इस क्रेडिट के अस्तांत और उनकी गती के अनुपालन में हमारे नाम में भेजे गए सभी ब्राप्ट प्रस्तुत करते पंह और आवेदिशों को दस्तावेजों की सुपुर्णी पर विविहृत स्वीकार किए जाएँ।

जब तक घास्थाया रूप से उत्तोष न किया जाए यह क्रेडिट “प्रतिकार्म कास्टम एण्ड ब्रेकिट फार बाकूमेंट्स क्रेडिट्स (1974 रिपोजिट) इप्टरेटरल ऐम्बल आफ कोमर्स, पविलोन टान सं. 290” के ग्राही है।

सेन-येन करते वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेशः—

1. उपर्युक्त ऋण कास्टर के अस्तांत विशेषी घारिक लाहौरीग निधि द्वारा जारी किए गए घरम पक्ष की व्यक्तिगतों के अनुसार विशेषी घारिक सहयोग निधि से अपने भूगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाबू हुन बचन देते हैं कि हम जेन-डेन करते वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ब्राप्टों की घनराशि को लीटा दें।

2. लेन-डेन करते वाले बैंक को यह बताते हुए हमें ब्राप्ट और दस्तावेजों का एक पूर्ण सेव और ज्ञाने के साथ एक प्रमाणपत्र अवश्य मैजना आहिए कि शेष दस्तावेज सीधे ही स्काई आक द्वारा, को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अस्तांत सभी बैंक के खर्च आयातक/संभरक के छाते से बेप है।

वाणिज्य,

()

वाणिज्य बैंक

द्वारा
प्राप्तिहत हस्ताक्षर
.....

भुगतान शर्ते

यह भुगतान फसे हमारे साथपत्र में का एक अधिकार अंग है।

1. प्रारम्भिक भुगतान

धनराशि मेन

कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

अप्रोक्षित वस्तावेज़:

प्रस्तिम भुगतान निधि:

2. मायस्थ भुगतान (परिय कोई हो)

धनराशि मेन

कुल संविदा का मूल्य का प्रतिशत है।

प्रतिक्रिया वस्तावेज़:

प्रस्तुत करने की प्रस्तिम निधि:

3. पोत परिवहन वस्तावेजों के मध्ये भुगतान

धनराशि मेन।

कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

टिप्पणी: यह मंत्रम शीर्ष पोत परिवहन वस्तावेजों के मध्ये दूरी दूरी के नामों ने अपेक्षित नहीं है।

उपायक्रम- 5

(प्रदत्त ओई सीएफएस सी- 2)

(अपरिवर्तनीय साथ-पत्र)

(सेवाओं के लिए लागू)

दिनांक

सेवा में,

यह साथपत्र (आणी) और विदेशी आयिन सद्योग निधि के बीच हुए घटन करार

सं०

दिनांक

से अनुसरण में)

(संभरक का नाम व पता) जारी किया गया है।

प्रिय बहोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम पर पूर्ण उल्लिखित मूल्य के लिए द्विविकारी के ड्राइट एट साईट द्वारा उनमध्ये रक्षा निवासी कुल अन्यराशि (.....) वेज़ से अधिक नहीं है, के लिए आपके नाम में हमने अपरिवर्तनीय साथ-पत्र में लोग दिया है।

इसमें इसके साथ मंत्रम भनुशूली के अनुमान अपेक्षित (परियोजना के नियम में डेका सं.) से संबंधित वस्तावेज़ होने आहिए। लेन-देन के लिए ड्राफ्ट से पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी ड्राइट और वस्तावेजों पर अपरिवर्तनीय कोडिट सं के अन्वेषण "डान" लिखा हांता चाहिए।

यह कोडिट हस्तांतरणित नहीं है।

हम एलट-ड्राइट वर्बन के हैं कि इस कोडिट के अन्वेषण इसकी जारी की प्रानुपालम ऊर्जे जपे सभी ड्राइट पस्तु करने पर और आवेदितों को वस्तावेजों की सुपुर्दगी पर विश्वित शीर्षकांक किए जाएंगे।

जब तक अस्थिर रूप से विस्तारयोजक उत्तेज में किया जाए, यह कोडिट "युनिकार्म कस्टम एण्ड प्रेक्षित नार बाकुमेंट्स ऑफिस (1974 - रिवीजन)" इस्टरेनेशनल लैम्बर आक कमर्स बोरर नं. 290" के मध्यें है।

सेवा देने करने वाले बैंक को विशेष धन्यवाद—

- इसमें मंत्रम प्रदत्त के अनुमान (आणी और इसके कोनील अधिकारी) द्वारा जारी किये गए निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पछान्त हस्तांतरण भुगतान इसमें मंत्रम शीट में निर्धारित भुगतान भनुशूली के अनुमान किए जाने चाहिए। आपके अधिक भुगतानों के प्राप्ति में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के बाबां हिताविकारी का विवरण अपेक्षित है।
- अपर उल्लिखित अनुमान के अधीन जारी किए गए विवरण इसके लिए विवरण के अनुमान विवेदों के आयिक गहरोग निधि से अपने भुगतान के लिए प्रतिकृति प्राप्त करने के बाब इस लेन-देन करने वाले द्वारा जारी किए गए अपेक्षितों के अनुमान ड्राइट की राशि परेक्षित करने का अनुमान है।

3. उपर्युक्त मद । में यथा उत्तिष्ठित दस्तावेजों की एक प्रति और ड्राफ्ट उनकी प्राप्ति के तुरन्त बाबू ही हमें भेजे जाएंगे।
 4. इस साक्षरत के अन्तर्गत बैंक के सभी अच्छे आवासकों/संचारकों के बातों से देय हैं।

भवदीय,

आधिकारिक बैंक

द्वारा

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

भुगतान अनुमूली

यह भुगतान अनुमूली हमारे साक्षरत संघरण का एक प्रतिवर्त अंग है।

1. भारतीय भुगतान:

बतारामि..... येन।

जो कुल संविदा मूल्य का प्रतिशत है।

अपेक्षित : दस्तावेज

हिंसाविकारी का विवरण

प्रस्तुत करने की अनियम तारीखः

2. भुगतान प्रगति:

सम्पूर्ण भोगः बनारामि येन

जो कुल संविदा का मूल्य प्रतिशत है जिसका भुगतान नियमित हार से किया जाता है --

देय बनारामि

प्रस्तुत करने की अनियम तिथि

कल, न.

दूसरी किला यत

अपेक्षित दस्तावेजः (अर्थी अपवा इसके मनोनीत प्राविकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के विवरण की एक प्रति जिमका एक प्रत्यक्ष संलग्न है।

निष्पादन का विवरण

दिनांक

संख्या

फैला में

(संचारक का नाम और पता)

संख्या:—कृष्ण करार सं. के अन्तर्गत वरिष्ठीयना
 से 'संबंधित' के नाम के द्वारा जारी किए गए साक्षरत की सं द्वे न
 के लिए द्वारा जारी किए गए साक्षरत की सं दिनांक
 (अर्थी) का प्रतिनिवित्त करते हुए हमें अधिकारीहस्ताक्षरी, भौति के द्वीच संविदा
 व द्वारा दिनांक में लिहित भुगतान की भाँति के अनुसार विवेती
 आविक सहायता वित्त द्वारा येन की (बनारामि येन मात्र)
 प्राप्त करने के लिए को प्राविकृत करने के लिए निष्पादन विवरण जारी करता है।

(अर्थी)

द्वारा

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विवेच अनुदेशः

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न गत वर्ष वर्जित जाता।

MINISTRY OF COMMERCE

Import Trade Control

Public Notice No. 88-ITC(PN)88-91

New Delhi, the 15th December, 1988

Sub : Licensing conditions for import of equipment|services under OECF Loan No. ID-P.50 of Yen 2.635 Billion for Gorakhpur Fertilizer Plant Revamping|Rehabilitation Project of the Fertilizer Corpn. of India Ltd.

F. No. IPC/23(48)/88-91.—The terms and conditions governing import of equipment|services under OECF Loan No. ID-P.50 of Yen 2.635 Billion for Gorakhpur Fertilizer Plant Revamping|Rehabilitation Project of the Fertilizer Corpn. of India Ltd., as given in Appendix to the Public Notice are notified for information.

K. V. IRNIRAYA, Chief Controller
of Imports and Exports

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 88-ITC(PN)88-91

dated 15-12-1988

Licensing conditions in respect of Import of equipment and services under the Yen credit of Yen 2,635 billion for implementation of the Gorakhpur Fertilizer Plant revamping|Rehabilitation Project of the Fertilizer Corporation of India Ltd. (FCI) extended by the Overseas Economic Corporation Fund (OECF) of Japan.

Section I—General Conditions

I(i) The Yen credit of Yen 2,635 billion extended by the Overseas Economic Corporation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirements of the Gorakhpur Fertilizer Plant Revamping|Rehabilitation Project of FCI is untied in favour of Japan and developing countries including India and all member countries of OECD. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I(ii) Import Licence(s) under the credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGT/CG Committee. The value of import licence issued under this credit should not exceed Yen 2.80 billion (C).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the Exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japan Yen Credit No. ID-P.50". The first and second suffix to the licence code will be "S|JC". This will also be repeated in the letter from

CCI&E forwarding the import licence to FCI a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

I(iii) Import licence(s) can be issued only in favour of F.C.I. on CIF basis.

I(iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 2.80 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I(v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh import licence may be referred to the Department of Economic Affairs (Japan Section).

I(vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licences duly attested by the licensing authorities.

I(vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agent's Commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of licence value and will therefore, be charged to the licence.

I(viii) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier, located in the countries mentioned in Annexure-I and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm Orders" means purchase order placed by the Indian Licence on the Overseas supplier duly signed by the letter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I(ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Min. of Fin. Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I(viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensees should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the licensing authorities to the Department of Economic Affairs, (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi, who will consider such extension on the merits of each case and communicate

their decision to the licensing authorities for communication to the licensees. Only on production by the licensees of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will the authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I(x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the overseas supplier.

The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :—

".....Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of.....
.....".

In fixing the terminal date for shipment it would be noted that this date should not be beyond 31st December, 1992.

Section II. Special points to be kept in view while negotiations & supply contract.

II(i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agents commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

The contract value should be expressed in Yen (or in Indian rupees in case of Indian suppliers). The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II. (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with the guidelines for procurement under the loan with the following supplemental stipulations :—

(a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million yen.

(i) Prior approval of DECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Prequalification, submitting to DECF an application for approval of procurement method.

(ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to DECF for approval. Alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the evaluation report of prequalification, notices and instructions to bidders, bid form, proposed contract, specification and drawings and other documents related to bidding will also be submitted to DECF for its review.

(b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of DECF is not required for award of contract on the condition that tenders lots are divided reasonably. However, if DECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to DECF for its review.

(c) Consultants shall be employed in accordance with DECF Guidelines for Employment of Consultants.

(d) The application/documents mentioned in (a)(i), (a)(ii) & (b) above will be submitted by the importer to Deptt. of E.A. in duplicate, for submission to DECF.

II. (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the DECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P, 50 for 1987-88 the details of which are given in Section VII below.

II. (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exceptional cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Deptt. of E.A. (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier

The supplier shall be nationals of the eligible source countries, or judicial persons incorporated and registered in eligible source countries and controlled by nationals of the eligible source countries.

II (vi) Permissible imports from non-eligible source countries.

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty percent (50 per cent) of the price per unit of such products in accordance with the following formulas :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF PRICE} + \text{IMPORT DUTY} \times 100}{\text{SUPPLIER'S FOB PRICE}}$$

(In case of Indian Supplier, Ex-Factory price shall be adopted)

II (vii) Declaration in Contract.

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in _____ (name of eligible source country).

I the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than

fifty per cent (50 per cent) in accordance with the following formula :—

$$\text{IMPORTED CIF PRICE} + \text{IMPORT DUTY} \times 100 \\ \text{SUPPLIER'S FOB PRICE}$$

(Where applicable Ex-factory Price)

"I, the undersigned, hereby certify that _____ (Name of Company) has been incorporated and controlled by nationals of _____ (name of eligible source countries concerned)."

Section III. Conditions to be incorporated in the supply contracts.

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated 10th February, 1988 concerning the Yen Credit No. ID-P. 50 (Project Aid) for Taesta Canal Hydroelectric Project.
- (b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P.50 dated 10th February, 1988 between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV. Review of Contract by OECF IV (i) within stipulated period for placement of firm orders the licensees should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importer and the supplier supported by order confirmation in writing by the

supplier or their photo copies complete in all respects, together with two photo copies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Dept. of E.A.) will send Notice of conclusion of contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice will also be sent by Department of E.A. to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA & A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V—Payment to the Overseas suppliers— Letter of Credit Procedure.

V (i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs. The CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Tokyo Branch of the Bank of India for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the Overseas Suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank of India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would also facts apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V. (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo who will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V. (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder and charges if any of overseas supplier's bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt of an amount equal to one-tenth per cent (0.1 per cent) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Govt. of India account the rupee equivalent of this letter of commitment charges on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1 per cent is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers Bank of India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without effecting the Government of India's account.

V. (v) Reimbursement Procedure.

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with Reimbursement Procedure attached to the loan agreement.

Section VI—Responsibility for rupee deposit.

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S.B.I., Tis Hazari, Delhi before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee equivalents of the Yen payments calculated at the rate prevailing from time to time, the present rate being 12 per cent per annum for the first 30 days and @ 18 per cent per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas Supplier to the date of actual rupee deposit, in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-74 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-76 and Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents by the importers Banker from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas suppliers will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 109-ITC(PN)/74 dated 3-3-1974 and 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1975

or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&F or through Exchange Central Circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further LAs to him may be stopped and the matter reported to the CCI&F so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-843-Civil Deposits-Deposits for purchase etc. abroad-Purchase under credits/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan—2.635 Billion yen credit No. ID-P.50 for the Gorakhpur Fertilizer Plant Revamping/Rehabilitation Project of U.C.I.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976

VI (iii) The concerned Bank in India shall also stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) while filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note :—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 0 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the act immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VII—Miscellaneous Provisions.

VII (i) Reports on utilisation of the import licence.

The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

VII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions.

The Licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

VII (iii) Disputes.

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment". Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VII (iv) Future Instructions.

The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P.50 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECD).

VII (v) Breach or violation.

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VII (vi) List of Annexures.

Annexure—I.—List of eligible source countries.

Annexure—II.—Request for issue of Letter of Authority.

Annexure—III.—Form of Letter of Authority.

Annexure—IV.—Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure—V.—Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

ANNEXURE—I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. DEVELOPING COUNTRIES AND TERRITORIES

(a) Non-OPEC Developing Countries

I.	Africa, North of Sahara
	Egypt
	Morocco
	Tunisia
II.	Africa, South of Sahara
	Angola
	Benin
	Botswana
	Burundi
	Cameroon
	Cape Verde Islands
	Central African Rep.
	Chad
	Comore Islands
	Congo, People's Republic of
	Dahomay
	Equatorial Guinea (1)
	Ethiopia
	Gambia
	Ghana
	Guinea
	Ivory Coast
	Kenya
	Lesotho
	Liberia
	Malagasy Republic
	Malawi
	Mali
	Mauritania, Mauritius
	Mozambique
	Niger
	Portuguese Guinea
	Reunion
	Rhodesia
	Rwanda
	St. Helena and dep (2)
	Sao Tome and Principe
	Senegal
	Seychelles
	Sierra Leone
	Somalia
	Sudan
	Swaziland
	Terro, Afars and Issas
	Togo
	Uganda
	Un-Rep o.f Tanzania
	Upper Volta
	Zaire Republic
	Zambia
III.	America, North and Cont.
	Bahamas
	Barbados

	Belize	Hong Kong
	Bermuda	Khmer Republic
	Costa Rica	Korea, Republic of
	Quba	Laos
	Dominican Republic	Macao
	EL Salvador	Malaysia
	Guadeloupa	Phillipines
	Guatemala	Singapore
	Haiti	Taiwan
	Honduras	Thailand
	Jamaica	Timor
	Martinique	Viet-Nam, Rep. of
	Mexico	Viet-Nam, Dem. Rep.
	Netherlands Antilles	
	Nicaragua	VIII. OCEANIA
	Panama	Cook Islands
	St. Pierro and Miquelon	Fiji
	St. Ridndeand Tobago	Gilbert and Ellice Is.
(1)	Formerly the territory of Spanish Guinea. Including the island of Fernaude PO.	French Pelynesia (5)
(2)	Including the following islands: Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingalo, Gough.	Nauru
(3)	Main islands, Aruba, Bona'ra, Curacao, Saha, St.	New Calendepia
	AMERICA, North and Central West Indies (Br.) n. i.e.	New Hebricas (Br. and Fr.)
	(a) Associated States (1)	Niue
	(b) Dependencies (2)	Pacific, Islands (US) (6)
IV	AMERICA, South	Papua New Guinea
	Argentina	Solomon Islands (Br.)
	Belivia	Tenga
	Brazil	Wallis and Futuna
	Chile	Western Samea
	Colombia	
	Falkland Islands	IX. EUROPE
	French Guiana	Cyprus
	Guyana	Gibralter
	Paraguay	Greece
	Peru	Malta
	Surinam	Spain
	Uruguay	Turkey
V.	ASIA, Middle East	Yugoslavia
	Baharain	
	Israel	(1) Main Islands : Antipe, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Caristopho), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.
	Jordan	(2) Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos and British Virgin Islands.
	Lebanon	(3) Ajman, Dubai, Bugairah, Ras al Khaimah, Sherjah and Umme al Quaiwain.
	Oman	(4) Including Aden and various sultantes and emirates.
	Syrian Arab Republic	(5) Comprising the Society Islands (including Tahiti). The Austral Islands, the Tuamotu- Gambier Group and the Marqueas Islands.
	United Arab Emirates (3)	(6) Trust Territory of the Pacific Islands : Caro- line Islands Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam).
	Yamen Arab Republic	(a2) Member of Association Countries of OPEC
	Yamen, Peoples' D.R.	Algeria
VI.	ASIA, South	Bolivia
	Afghanistan	Libyan Arab Republic
	Bangladesh	Gabon
	Bhutan	Nigeria
	Burma	Ecuador
	India	Venezuela
	Maldives	Iran
	Nepal	Iraq
	Pakistan	Kuwait
	Sri Lanka	
VII.	ASIA, For East	
	Brunei	

Qatar	(f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
Saudi Arabia	(g) Cross FOB/C&E value of contract (in Yen).
Abu Dhabi	(h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
Indonesia	(i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
B. OECD Countries.	(j) Number and date of the Contract with overseas suppliers.
Australia	(k) Name and address of the Overseas Supplier.
Belgium	(l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
Canada	(m) Expected date of completion of deliveries.
Denmark	(n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
Finland	(o) Shipment instructions (indicate if transhipment/part-shipment part-shipment permitted or not permitted).
France	(p) Name and address of the importer's bank in India.
The Federal Republic of Germany	(q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No. date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
Greece	(r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Credit are to be borne by the Importers or Supplier.
Iceland	(s) Undertaking by the importer :—
Ireland	"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the Payments made to suppliers."
Italy	
Japan	
Luxembourg the Netherlands	
New Zealand	
Norway	
Portugal	
Spain	
Sweden	
Switzerland	
Turkey the United Kingdom and the United States.	

ANNEXURE-II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No. _____ Date : _____

To

The Controller of Aid Accounts and Audit,
 Ministry of Finance,
 Department of Economic Affairs.
 UCO Bank Building, 1st Floor,
 Parliament Street,
 New Delhi-110001.

Subject :—Import of _____ from _____ under the Yen Credit No. ID.P. _____ (Project Aid for 1988).

Sir,

In connection with the import _____ from _____ under the above mentioned Yen Credit No. ID.P. _____ (Project Aid) we furnish the following particulars to enable you to issue the Letter of Authority to the _____ (Name of the Bank) which should be the same as given in (P) below for opening a letter of credit in favour of the overseas supplier concerned.

- (a) Name and Address of the Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement- whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.

- (f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.
- (g) Cross FOB/C&E value of contract (in Yen).
- (h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.
- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the Contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address of the Overseas Supplier.
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if transhipment/part-shipment part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No. date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Credit are to be borne by the Importers or Supplier.

(s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the Payments made to suppliers."

ANNEXURE-III

(Letter of Authority Form)

No. F

MINISTRY OF FINANCE
 (Department of Economic Affairs)

New Delhi, the

To

The Bank of India,
 Tokyo Branch
 Tokyo (Japan)

Subject : Import under yen Credit (Project Aid)
 Loan Agreement No. ID-P. _____ Issue of

Letter of Authority for opening Letter of Credit.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25-3-80 entered into with your Bank, you are hereby authorized to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen _____ favouring M/s. _____ as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to _____ (Name and address of the importers' Bankers) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto _____.

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,
(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer _____ with reference to their letter No. _____ dated _____

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2. (i) Importers' Banker This has reference to import Licence No. dt. This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen credit. The licensing conditions and connected Public Notice|order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import|foreign payments.

2. (ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)|76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 per cent per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier|date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account is also required to be deposited into the Government of India Account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)|83 dated 10-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made.) It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 51139000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection, their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)|68 dated 30-8-68, 233-ITC(PN)|68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)|71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC PN|74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)|76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances843-Civil Deposits-Deposit for purchase etc. abroad under purchases under Credit|Loan Agreements"—Loans from the Government of Japan billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P for 198 -8 .

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

3. The Director, Loan Department-II Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Gode Building, 4-1, Otemachi 1-Chome Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer:

ANNEXURE IV

Form OECF-LC I

IRREVOCABLE LETTER OF CREDIT

(Applicable for goods)

Date :

This letter of Credit has been issued pursuant to Loan

Agreement No. _____

Dated _____

between (Borrower) and The
OVERSEAS ECONOMIC
COOPERATION FUND.

To _____

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of _____ for a sum of sums not exceeding an aggregate amount of Yen _____ (Say Yen _____) available by your drafts at sight for full invoice value

drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" Other documents

evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped) referred to Contract No. _____ (if any) from _____ to _____. Partial shipments are permitted. Transhipment is _____ permitted. Bills of lading must be dated not later than _____. Drafts must be presented for negotiation not later than _____.

All Drafts and documents under this credit must be marked

"Drawn under _____ irrevocable credit No. _____, dated _____

and Import Reference No.(s) _____ (if any)

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank :

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.

2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been airmailed direct to _____.

3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

.....
(a Commercial Bank)

By : _____

(Authorized Signature)

Payment Terms :

This payment terms constitute an integral part of our Letter of Credit No. _____

I. Initial Payment

Amount : Yen _____
being _____ % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

II. Intermediate Payment (if any)

Amount : Yen _____
 being _____ % of the total
 contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

III. Payment against Shipping Documents

Amount : Yen _____
 being _____ % of the total
 contract price.

Note : This attached sheet is not required in cases of full payment against shipping documents.

ANNEXURE V

Form OECF-LC II

IRREVOCABLE LETTER OF CREDIT

(Applicable for Services)

Date :

This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. _____ dated _____ between (Borrower) and the OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND.

To _____

(Name & address of the Supplier)

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of _____ for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of Yen _____ (say Yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full statement value drawn on us.

The be accompanied by the required documents, in accordance with the payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. _____ with regard to _____ Project). Drafts must be presented for negotiation not later than.

All draft's and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. _____"

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto, payment(s) under this credit must be made in accordance with the payment schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned statement of performance.

2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.

3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.

All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(_____
a Commercial Bank)

By : _____
(Authorized Signature)

Payment Schedule :

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. _____.

I. Initial Payment

Amount : Yen _____
 being _____ % of the total
 contract price

Required documents : beneficiary's Statement

Latest presentation date :

II. Progress Payment

Aggregate amount : Yen _____
 being _____ % of the total
 contract price to be paid as follows

Amount due Latest presentation

1st Instalment : Yen _____

2nd Instalment : Yen _____

Re : Letter of Credit No. _____ dated _____
 issued by _____ for Yen _____ in
 favour of _____ concerning _____
 Project under Loan Agreement No. _____

Required document : A copy of State of Performance
 issued by (Borrower or its
 designated authority), a form
 of which is attached hereto.

STATEMENT OF PERFORMANCE

Date : _____
 Ref. No. _____

To _____

(Borrower)

By : _____
 (Authorised Signature)

(Name and address of
 the supplier)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be
 stated in the sheet attached hereto.

